गोलालारीय समाज का मुखपत्र

श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास इन्दौर

golalariya.darshan@gmail.com
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com
9406744064

मासिक
गोलालारीय दर्शन
सफलता के 13 वर्ष
लेट पोस्टिंग

अपनों के साथ अपनी बातें

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/IDC/1252/2021-2023

सेवा में,

जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं । हृदय नहीं वह पत्थर है, जिसको समाज से प्यार नहीं ।

वर्ष : 13 अंक : 10 पृष्ठ संख्या : 6 माह – 15 अगस्त 2022 सहयोग राशी 1100/– देकर सदस्य बनें ।

सफल और सक्षम पीढ़ी का अभिनंदन

बधाईयां... बधाईयां... बधाईयां...

डॉ. इशिता जैन, जबलपुर
कार्तिका असितकुमार जैन
MBBS
72.16%

अमीषा जैन, इन्दौर
अर्चना नितिन जैन
प्रथम प्रयास में
CA Final उत्तीर्ण

सोमिल जैन, झाँसी
राखी कमलेश जैन
12th CBSE Bio
97.8%

दीक्षा जैन, भोपाल
सपना राजेश जैन
12th CBSE Comm.
96%

कृतिन जैन, इन्दौर
मीना मनीष जैन
12th CBSE Maths
95.6%

अनिशा जैन, ग्वालियर
सुषमा जिनेश जैन
12th CBSE Comm.
95%

हमारे इन नौनिहालों की उत्कृष्ट प्रतिभा को देखते हुए सर्वत्र यही स्वर गूंज रहे हैं।

बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम घोषित होते ही बधाइयों का सिलसिला शुरू हो जाता है। इस वर्ष के परीक्षा परिणाम इस मायने में भी विशेष हैं कि कोरोना काल के पश्चात पुनः विद्यालय खुले और नियमित शिक्षण प्रारंभ हुआ किंतु यह अनेक नई चुनौतियों से भरपूर था। 2 वर्ष से अधिक समय घरों में कैद, ऑनलाइन शिक्षा के अनुकूल अपने आप को ढालते हुए हमारे विद्यार्थी, शिक्षक और उनके माता–पिता सभी एक अलग प्रकार के संघर्ष के अभ्यस्त हो चले थे। इस अवधि में हमारी परंपरागत शिक्षण पद्धतियों को नकारते हुए एक नई शिक्षण पद्धति ऑनलाइन शिक्षा के रूप में हमारे जीवन का अंग बनी। निसंदेह इसमें अनेक खूबियां थी तो कई खामियां भी थी। किंतु हमारे नौनिहालों ने 'आपदा में अवसर' की उक्ति को चरितार्थ करते हुए अपने आपको विपरीत परिस्थितियों में भी समायोजित कर उत्कृष्ट परिणाम दिए और उच्चतम अंकों के साथ लक्ष्य प्राप्त किया।

उन्होंने हमारे इस विश्वास को दृढ़ किया कि आगामी पीढ़ी में हर तरह की चुनौतियों को स्वीकार कर सफलता प्राप्त करने का जुनून है। उनके इस जज्बे को सलाम करते हुए उनके माता–पिता और गुरुजनों को भी हम बधाइयां देते हैं, जो कठिन समय में अपने बालक बालिकाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे और उनका मार्ग प्रशस्त कर हौंसला देते रहे।

माता पिता के सामाजिक दायित्व बोध के परिणामस्वरूप आज हमारे प्रतिभाशाली छात्र–छात्राएं गोलालारीय दर्शन के मुखपृष्ठ की शोभा बढ़ा रहे हैं। हमारा विशेष निवेदन उन माता पिता से है जो अपने इस सामाजिक दायित्व की उपेक्षा कर उभरती प्रतिभाओं को समाज के समक्ष लाने में रुचि नहीं दिखाती। बेशक आप के पुत्र और पुत्री की सफलता से आपको बहुत गर्व और प्रसन्नता होती है, इनमें से कई होनहारों के चित्र बड़े–बड़े राष्ट्रीय अखबारों में भी छपते हैं। किंतु अपने समाज के मुखपत्र मे उसका विवरण और चित्र देने में हम उतनी सक्रियता नहीं दिखाते, जबकि हम इस समाज के प्रतिनिधि है। यदि समाज की पहचान हमसे है तो हमारी पहचान भी हमारे समाज से होती है, इस सत्य को हमें स्वीकार करना होगा। केवल पुत्र और पुत्री के विवाह के समय ही समाज को प्राथमिकता देने से हमारा उद्देश्य सफल नहीं होगा। अपने बच्चों को समाज से जोड़ने का यह एक उत्तम अवसर है। पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष प्रतिभाशाली छात्रों के कम आवेदन पत्र प्राप्त हुए। इसका कारण समाज के कम परिवारों तक गोलालारीय दर्शन की उपलब्धता हो सकती है। इसके लिए आप समाज के सोशल मीडिया पर व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। सोशल मीडिया के द्वारा पूरे देश के विभिन्न भागों से समाज के परिवारों को जोड़ने की व्यवस्था की गई है। गोलालारीय दर्शन 9406744064 पर आप अपना मोबाइल नंबर, नाम व शहर का नाम देकर जुड़ सकते हैं। तो आज से प्रण करें कि समाज के प्रति अपने दायित्व को निभाने के लिए भी हम उतने ही तत्पर रहेंगे जितने पारिवारिक दायित्वों को निभाने के लिए होते हैं। – अनुपमा जैन

रीथ जैन, इन्दौर
विनिता–आशीष जैन
12th CBSE Maths
94.4%

उत्कर्ष जैन, इन्दौर
सपना भरत जैन
12th CBSE Bio
94%

अनन्या जैन, इन्दौर
सोनाली विवेक जैन
12th CBSE Comm.
92.2%

अपूर्व जैन, ललितपुर
मालती आशीष जैन
12th CBSE Comm.
92%

चहक जैन, इन्दौर
गरिमा–पंकज पवैया
Board Bio
91.80%

प्रयास रिश्तों को जोड़ने की एप्लीकेशन का लोकार्पण

अनुमा जैन, इन्दौर । हमारे लिए बड़े ही गर्व का दिन है कि "**प्रयास रिश्तों को जोड़ने का...**" ऑनलाईन प्रविष्टि फार्म भरने के लिए (मोबाइल/कम्प्यूटर) लिंक का लोकार्पण किया गया ।

1008 पार्श्वनाथ स्वामी के मोक्ष कल्याणक दिवस 4 अगस्त के पावन पर्व पर उक्त लिंक के माध्यम से सरलता पूर्वक ऑनलाईन प्रविष्टि भरने की सुविधा समाजजनों के लिए व्हाट्सएप/टेलीग्राम प्लेटफार्म पर निरंतर उपलब्ध कराई जा रही हैं।

वर्तमान परिवेश में जहां अधिकांश विवाह योग्य प्रत्याशी और उनके अभिभावक ऑनलाईन प्रविष्टि भरने के इच्छुक रहते हैं, इस माध्यम से सरलतापूर्वक सभी आवश्यक जानकारी भरी जाती है । **प्रयास रिश्तों को जोड़ने का** की टीम के प्रयासों से निर्मित इस लिंक द्वारा प्रविष्टि फार्म मोबाईल के द्वारा आसानी से भर सकते हैं। फॉर्म के जमा होते ही आपके ईमेल पर जमा फार्म की प्राप्ति रसीद व आपके द्वारा भेजी गई जानकारी की इमेज प्राप्त हो जायेगी । इस प्रकार प्रविष्टि प्रकाशन में त्रुटियों की संभावना नगण्य हो जावेगी । इस एप्लीकेशन को दो भागों में बांटा गया है । प्रथम भाग में प्रत्याशी की जानकारी सुरक्षित (Save) करते ही द्वितीय भाग खुल जायेगा जिसमें आप भुगतान का विवरण भर सकेंगे, पूर्ण विवरण भरते ही आपका फार्म स्वीकार हो जायेगा । प्रयास रिश्तों को जोड़ने का पत्रिका के लिए प्रविष्टि शुल्क रु. 500 (कोरियर/डाक खर्च सहित) व रु. 300 बिना पत्रिका के निर्धारित किया गया हैं ।

समग्र जैन समाज के विवाह योग्य प्रत्याशियों की प्रविष्टि प्राप्त करने की हम आप सभी के सहयोग से पूरी कोशिश कर रहे हैं। हमारा समाज के वरिष्ठजनों व समाज के प्रतिनिधियों से सादर अनुरोध है कि वे अपने नगर के विवाह योग्य प्रत्याशियों को ऑनलाईन लिंक का मैसेज फारवर्ड कर प्रविष्टि भरवाने में सहयोग करें क्योंकि पत्रिका में जितनी अधिक प्रविष्टि रहेगी, अभिभावकों को उतना ही अधिक लाभ मिल सकेगा । इस एप्लीकेशन को तैयार करने में इन्दौर गोलालारीय समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री अजीतकुमार–कल्पना जैन के सुपुत्र इंजी. आनंद जैन जो Chepter247 infotech pvt. Ltd. में डायरेक्टर हैं, उनका विशेष सहयोग और मार्गदर्शन रहा उन्हीं के अथक प्रयासों से यह महत्वपूर्ण एप्लीकेशन तैयार हो पाई हैं।

परामर्श प्रमुख

श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद
श्री प्रदीपकुमार जैन, रायपुर

प्रधान संपादक

सिंघई राजेन्द्र जैन 'बागो', 9424013136

सह संपादक

श्रीमती अनुपमा–रजनीश जैन, 9009066884
श्रीमती साधना–सुनील जैन, 8602696165
श्री विशाल जैन, 9453167716

कोषाध्यक्ष

सुधेशकुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक

राजेन्द्रकुमार जैन, सायकलवाले 9425353972
खुशालचंद जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227

संयोजक एवं प्रकाशक

बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक –

श्री प्रदीपकुमार जैन, रायपुर
श्री सुधेश जैन, इन्दौर

संरक्षक –

श्री राजकुमार जैन, छुईखदान

सहयोगी सदस्य –

श्री संतोष जैन, ग्रीन पार्क भोपाल

श्री राजकुमार जैन, छुईखदान

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/–
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/–
संरक्षक (अ.जा.)	5100/–
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/–
सहयोगी सदस्य (10 वर्ष)	1100/–

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855 IFSC Code: SBIN0030134 में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/–
फुल पेज (अंदर)	11000/–
1/2 पेज	5000/–
1/4 पेज	3000/–
मांगलिक बधाई फोटो सहित	2000/–
शोक संदेश फोटो सहित	1000/–
बॉयोडाटा फोटो सहित	350/–

शाश्वत तीर्थ श्री सम्मेद शिखरजी को जैन तीर्थ घोषित करने के लिए ज्ञापन दिया

सचिन जैन, बड़ौत । विश्व जैन संगठन द्वारा सर्वोच्च जैन तीर्थ पारसनाथ पर्वत को बिना जैन समाज की सहमति के वन्य जीव अभ्यारण्य का एक भाग घोषित कर पर्यटन स्थल बनाकर तीर्थ की स्वतंत्र पहचान, पवित्रता नष्ट करने वाली अधिसूचना रद्द कराने और पर्वत को पवित्र 'जैन तीर्थस्थल' घोषित कराने की मांग हेतु दिल्ली के प्रसिद्ध जैन लाल मंदिर, लाल किला से राजघाट तक 2 अगस्त को विशाल पैदल मार्च किया गया। विशाल पैदल मार्च के संयोजक विश्व जैन संगठन के अध्यक्ष संजय जैन ने बताया कि केंद्र व झारखंड सरकार को दिए निवेदनों पर कोई कार्यवाही न किये जाने के विरोध में 2 अगस्त को काला दिवस के रूप में मनाते हुए विशाल पैदल मार्च का आयोजन किया गया। जिसमें जैन संत पूज्य क्षुल्लक श्री योगभूषणजी महाराज, गुरु गणी श्री राजेंद्रविजयजी महाराज और भट्टारक सौरभ सैन जी ने अनादि काल से जैन तीर्थ की स्वतंत्र पहचान और प्राचीन प्राकृतिक स्वरुप को पूर्ववत बनाये रखने और झारखण्ड सरकार व वन मंत्रालय से शास्वत जैन तीर्थ को वन्य जीव अभ्यारण्य व पर्यटन स्थल आदि की सूची से बाहर करने की मांग की गई। लाल किले से राजघाट पैदल तीन किमी है। उमस भरी गर्मी में धूप में पैदल चलकर सभी ने श्री सम्मेदशिखर जी की रक्षा के लिए सुबह 10 बजे लाल किला पहुंचने से लेकर राजघाट तक किसी ने ना ही कुछ खाया और न ही पानी पिया।

दिल्ली की प्रमुख जैन संस्थाओ के पदाधिकारी भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के पूर्व महामंत्री श्री चक्रेश जैन, मदन लाल जैन, पवन गोधा, विकास जैन, नीरज जैन, पुनीत जैन, महासभा से सुमित जैन और दिल्ली व अन्य राज्यों से आये विभिन्न जैन संस्थाओं व अन्य गणमान्यों ने झारखंड और केंद्र सरकार से गजट रद्द कर पर्वत का वंदना मार्ग अतिक्रमण मुक्त, यात्री पंजीकरण, सामान जांच के लिए दो चेक पोस्ट, पर्वत पर सोलर लाईट और पर्वत व मधुबन की पवित्रता के लिए सम्पूर्ण क्षेत्र को मांस–मदिरा मुक्त पवित्र **'जैन तीर्थस्थल'** अतिशीघ्र घोषित करने की मांग की।

इधर उत्तरांचल दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष श्री शैलेंद्र जैन अलीगढ़ एवं महामंत्री श्री प्रवीण कुमार जैन संपादक दैनिक विश्व परिवार झांसी ने भारत के प्रधानमंत्री एवं झारखंड के मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में उत्तर भारत के संपूर्ण तीर्थ क्षेत्रों व जैन समाज की ओर से मांग की कि जैन धर्म के शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखरजी की मर्यादा को बनाए रखा जाए और वहां होने वाले अतिक्रमण को रोकते हुए इस तीर्थ पर पूरी तरह पवित्रता कायम की जाए।

हर घर तिरंगा लहराया

सर्वविदित है कि हम इस वर्ष आजादी की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इस गौरवपूर्ण दिवस को सरकार ने अमृत महोत्सव का नाम दिया है,और इसे स्मरणीय बनाने के लिए सरकार ने हर घर तिरंगा अभियान प्रारंभ किया है। इसका लक्ष्य भारत के हर घर पर तिरंगा लहराने का है। सरकार द्वारा इसके लिए 20 करोड़ घरों में तिरंगा लहराने का निश्चय किया गया है। देश की पूरी जनता के लिए सरकार और स्वयं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की यह अपील है कि वह 13 अगस्त से 15 अगस्त के बीच 20 करोड़ घरों में तिरंगा लहराएं। इस अभियान का उद्देश्य देश के नागरिकों के दिलों में देशभक्ति की भावना को बढ़ाना और देश के लिए प्रेम जागरूक करना है, साथ ही हमारे राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना को पैदा करना है ताकि हर देशवासी अपने देश और ध्वज की आन बान और शान के लिए हमेशा आगे खड़ा रह सके।

तिरंगे के इतिहास को देखें तो पता चलता है कि बीसवीं शताब्दी में जब स्वदेशी आंदोलन ने ज़ोर पकड़ा तो एक राष्ट्रीय ध्वज की जरूरत महसूस हुई। स्वामी विवेकानंद की शिष्या सिस्टर निवेदिता ने सबसे पहले इसकी परिकल्पना की। फिर 7 अगस्त 1906 को कोलकाता में बंगाल के विभाजन के विरोध में एक रैली हुई जिसमें पहली बार तिरंगा झंडा फहराया गया। आज जो तिरंगा भारत की शान है, उसे डिजाइन करने में पिंगली वेंकैया का बहुत बड़ा योगदान था, वो एक स्वतंत्रता सेनानी थे। पिंगली वेंकैया ने भारत को एकजुट करने वाला राष्ट्रीय ध्वज दिया। तब इस ध्वज में, केसरिया, सफेद और हरे रंग की पट्टीयां और बीच में चरखा था।

इस ध्वज की ऊपरी पट्टी में केशरिया रंग देश की शक्ति, साहस, त्याग और बलिदान का प्रतीक माना जाता है। बीच में स्थित सफेद पट्टी शांति और सत्य का प्रतीक है। निचली हरी पट्टी उर्वरता, वृद्धि और भूमि की पवित्रता को दर्शाती है। सफेद पट्टी पर स्थित चरखा देश की आर्थिक प्रगति का सूचक था। स्वतंत्रता प्राप्ति के समय डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में एक ध्वज समिति का गठन किया गया और उसमें यह फैसला किया गया कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के झंडे को कुछ परिवर्तनों के साथ राष्ट्र ध्वज के रूप में स्वीकार कर लिया जाए, इसमें चरखे के स्थान पर अशोक चक्र या धर्म चक्र को रखा गया, जो तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व मौर्य सम्राट अशोक द्वारा बनाए गए सारनाथ मंदिर से लिया गया है। इस चक्र को प्रदर्शित करने का आशय यह है कि जीवन गतिशील है और रुकने का अर्थ मृत्यु है। यही तिरंगा भारत देश के स्वतंत्र देश होने का संकेत देता है। 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने तिरंगे को राष्ट्रीय ध्वज के रूप में स्वीकार किया।

तिरंगा फहराते समय इन बातों को रखे ध्यान – * झंडे का प्रयोग व्यावसायिक उद्देश्य के लिए नहीं किया जायेगा। * यदि आप किसी व्यक्ति को सलामी दे रहे है तो झंडे को झुकाया नहीं जायेगा। * किसी भी ड्रेस या यूनिफार्म को झंडे के रूप में प्रयोग नहीं किया जायेगा। झंडे को किसी भी रुमाल, तकिया, या बाकि किसी भी ड्रेस पर नहीं छाप सकते। * झंडे पर किसी भी तरह का विज्ञापन, नोटिफिकेशन या कोई अभिलेख नहीं लिखा होना चाहिए। * किसी भी अन्य झंडे को भारतीय झंडे के बराबर ऊपर नहीं फहराया जाना चाहिए।

तो आइए हर घर तिरंगा फहराएं और देश की शान बढ़ाएं, जय हिंद, जय भारत, जय हिन्दू राष्ट्र ।

–अनुपमा जैन, सहसंपादिका

105 पूर्णमति माताजी के चतुर्मास कलश स्थापना का साक्षी बना इंदौर

संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की परम शिष्या परम पूज्य 105 स्वर कोकिला आर्यिका पूर्णमति माताजी का चतुर्मास इंदौर के छत्रपति नगर के दयालबाग में कलश स्थापना महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न हुआ। महोत्सव की शुरुआत समाज की अनेक महिला मंडलों के द्वारा शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम व मंगलाचरण के साथ हुई। चातुर्मासिक कलश स्थापना महोत्सव की शुरुआत मंगलाचरण संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के चित्र अनावरण के साथ हुई इस अवसर पर नगर व बाहर से आए हुए अनेक श्रावकों की मौजूदगी के साथ विद्वानों व पंडितों का मंगल सानिध्य भी रहा । इसके पूर्व छत्रपति नगर मंदिर से भव्य मंगल जुलूस में हजारों श्रावकों ने उत्साह पूर्वक सहभागिता निभाई । मंदिर जी से कार्यक्रम स्थल दयालबाग तक भक्तों ने माताजी का विभिन्न मंचों से हार्दिक अभिनंदन किया। समाज के कई प्रतिष्ठित परिवार मंगल कलश लाभार्थी रहे। संगीतकार पंकज जैन की टीम ने मनोहरी भक्ति गीतों से स कार्यक्रम को धर्ममय बना दिया कार्यक्रम का संचालन विपुल जैन ने किया एवं आभार कैलाश नेता एवं राजेन्द्र सुपारी ने माना ।

संसार में देव,धर्म और गुरु से जो दूर है वह सबसे बड़ा दरिद्र है : आचार्य विशुद्ध सागर

प्रदीप जैन, रायपुर। विशुद्ध वर्षायोग 2022 के लिए सन्मति नगर फाफाडीह रायपुर में मंगलवार को चर्या शिरोमणि आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के ससंघ उपस्थिति में चातुर्मासिक कलश की स्थापना हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ के राज्यपाल अनुसुईया उइके ने दीप प्रज्वलित कर किया। विशुद्ध सभागृह का उद्घाटन महावीर प्रसाद, राजकुमार बाकलीवाल परिवार ने किया। ध्वजारोहण चातुर्मास शिरोमणि संरक्षक सुधीर कुमार रितेश,मितेश, अरिहंत एवं समस्त बाकलीवाल परिवार ने किया। मुख्य अतिथियों को आचार्य श्री के हस्तलिखित शास्त्र भेंट किए गए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के राज्यपाल अनुसुईया उइके और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल थे साथ ही विधायक कुलदीप जुनेजा, महापौर एजाज ढेबर सहित सकल दिगंबर जैन समाज रायपुर व अन्य राज्यों व विदेश से भी समाज के लोग बड़ी संख्या में धर्म लाभ लेने पहुंचे हैं।

धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि संसार में देव धर्म व गुरु की शरण से जो दूर है, उससे बड़ा कोई दरिद्र नहीं होता। गिरता पत्ता डाल पर हरे पत्ते को देख ले तो उसको शांति से गिरना अच्छा लगता है, वह संतुष्ट होता है मैं अवश्य जा रहा हूं लेकिन डाली खाली नहीं होगी। कुछ लोग अपनी बात रखना जानते हैं, तो कुछ लोग अपनी बात रखे रहते हैं,जो बहुत गहरी होती है। जो रखना जानते हैं वे सफल होते हैं। कोरोना काल में सबसे ज्यादा वे परेशान हुए थे,जो लोग रोज कमाकर खाते थे । वे लोग कभी परेशान नहीं हुए जो संजो कर रखते हैं। रखी वस्तु सदैव काम में आती है। जितने भगवान बने हैं,जितने भगवान बनेंगे रखी वस्तु से ही बनते हैं। जो-जो परमात्मा बना है,जो जो परमात्मा बनेगा जो परमात्मा बन रहे हैं वे रखी वस्तु से ही बनते हैं। ये पूर्व के पुण्य के कारण ही संभव है। चैतन्य धातु ना होती तो भगवान कैसे बनते। आचार्य श्री ने कहा कि भगवान ने हमारे बारे में जाना है,उससे हम सभी अज्ञान है। लेकिन तुम्हारे जीवन में क्या-क्या हुआ है,उससे तुम अज्ञान नहीं हो। अपनी करतूतों से कौन अज्ञान है। चेष्ठ मत करो भुलाने की कि मैंने क्या-क्या किया है। बस अपने ह्रदय को बता देना कि तुमने क्या-क्या नहीं किया है। अगरबत्ती की लकड़ी पर कोई सुगंध नहीं है,जो सुगंध है वह उसके मसाले की है। ऐसे ही आपको जो यश दिखाई दे रहा है, यह आपका नहीं है। यशाकृति कर्म का उदय है। मत मुस्कुराओं कि लोग मुझे पूछ रहे हैं, तुम्हें कोई तुम्हें कोई नहीं पूछ रहे। जिसे पूछा जा रहा है वह पुण्य का मसाला है।

कलश स्थापना दिवस पर आज आचार्य श्री सहित सभी संतों ने निर्जला उपवास किया। इनमें 5 मुख्य कलश सहित 24 अक्षयनिधि कलश थे जिन्हें चातुर्मास कलश की स्थापना विधि विधान पूर्वक की गई।

जैन धर्म हमें समानता, आत्म नियंत्रण,त्याग और सदाचरण की शिक्षा देता है : राज्यपाल

राज्यपाल अनुसुईया उइके ने विशुद्ध वर्षा योग 2022 के चातुर्मास कलश स्थापना कार्यक्रम में शामिल होकर पूरे प्रदेशवासियों की ओर से दिगंबर जैन संत आचार्य विशुद्ध सागर महाराज और सभी संतों को नमन किया। राज्यपाल ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि जैन संत आचार्य विशुद्ध सागर ससंघ छत्तीसगढ़ की धरा में पधारे हैं और यहां पर चतुर्मास कर रहे हैं। जैन धर्म हमें समानता, आत्म नियंत्रण, त्याग और सदाचरण की शिक्षा देता है। राज्यपाल ने कहा कि उनका आरंभिक जीवन में भी जैन समुदाय के प्रबुद्धजनों से सतत संपर्क रहा। मैंने महसूस किया कि उनके जीवन शैली में महावीर स्वामी की शिक्षा प्रदर्शित होती है। जब किसी समाज में किसी भी प्रकार की आपदा संकट की स्थिति आती है, जैन समाज सदैव सामने आता है और खुले मन से दीन दुखियों की मदद करता है। वे किसी भी पद पर हो या धन-धान्य से परिपूर्ण हो परंतु जब समाज को उनकी जरूरत होती है तो वह बड़ा से बड़ा त्याग कर समाज के लिए कार्य करते हैं। उनकी ही सेवा भावना के कारण ही वे समाज में निरंतर प्रगति कर रहे हैं और हर क्षेत्र में ऊंचाइयों पर स्थापित हुए हैं। यह सर्वविदित है कि जैन संत और उनके अनुयाई महावीर स्वामी द्वारा बताए गए सिद्धांतों को जीवन में उतारते हैं और उसी के अनुसार आचरण करते हैं। वे सदैव अहिंसा के मार्ग पर चलते हैं। जीव हत्या ना हो इस पर विश्वास करते हैं और उसके अनुसार ही कार्य करते हैं। आज चतुर्मास की स्थापना के साथ चतुर्मास का कार्यक्रम प्रारंभ हो गया है। इस चतुर्मास के दौरान किए गए कर्म और विभिन्न धार्मिक क्रियाओं से आसपास के वातावरण में शुद्धता आती है और शांति और सदविचारों का वातावरण निर्मित होता है। साथ ही समाज के लोगों को यह संदेश मिलता है हम अपने जीवन को किस प्रकार अच्छे कार्यों पर लगाएं जिससे पूरे प्रदेश में शांति खुशहाली और भाईचारे का वातावरण निर्मित हो।

शाश्वत तीर्थ शिखरजी के संरक्षण, संवर्धन के साथ आदिवासियों के विकास में मील का पत्थर साबित हुई है सम्मेद शिखर विकास समिति

विकास जैन, पवा । श्री सम्मेद शिखर जी विकास समिति की साधारण बैठक उ. प्र. प्रकाश भवन के सभागार में पी.एन.सी इंफोटेक के चेयरमैन श्री प्रदीप जैन (आगरा) के मुख्य अतिथि एवं जवाहरलाल जैन की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखरजी के विकास संरक्षण संवर्धन पर चर्चा के साथ नवीन योजनाओं को क्रियान्वित करने का निर्णय लिया गया। बैठक के पूर्व ध्वजारोहण श्री राजीव जैन (दिल्ली) ने किया। बैठक में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, कर्नाटक, गुजरात, दिल्ली, बंगाल व मध्य प्रदेश आदि प्रांतों से अनेक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

समिति के संरक्षक व पूर्व अध्यक्ष श्री विजय जैन ने वर्ष 1996 से क्षेत्र से अपने जुड़ाव की चर्चा करते हुए स्व. प्रकाशचंद जैन, राजेंद्र किशोर जैन अलीगढ़ व जयनारायण जैन मोंठ के योगदान का स्मरण किया और विगत 26 वर्षों की विकास यात्रा पर विस्तृत प्रकाश डालाते हुए उन्होंने कहा कि हमने न केवल प्रकाश भवन/ धन्यश्री लाल भवन बनाया बल्कि यहां के जैनेतर लोगों की शिक्षा, व्यवसाय व भीख मांगने की प्रवृत्ति को भी खत्म किया है। टाइम्स ऑफ इंडिया समूह के साहू श्री अशोक जैन का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि 'मैंने पहले ही कहा था कि शिखरजी के विकास के लिए जैन ब्यूरोक्रेट, अच्छे दानवीर, उद्योगपति व जनप्रतिनिधियों का शिखरजी यात्रा करना आवश्यक हैं' और समय के साथ यह तस्वीर उभरते हुए हमने देखी हैं। पारस विद्या योजना और लघु उद्योग की चर्चा करते हुए उन्होंने जैन समाज के लोगों से अपने बच्चों को नौकरी में ना भेजकर उद्यम में महारत हासिल करने को जरूरी बताया।

मुख्य अतिथि श्री प्रदीप जैन पी. एन. सी. ने उत्तरप्रदेश प्रकाश भवन द्वारा यात्री हित में की जा रही सेवाओं की प्रशंसनीय बताते हुए कहा कि अब यह उत्तर प्रदेश प्रकाश भवन नहीं बल्कि भारत प्रकाश भवन होता जा रहा है एन. आर. आई. की पसंद और आई. एस.ओ. लेने से यह भवन पूरे विश्व में कीर्तिमान अर्जित कर रहा हैं। दैनिक परिवार झांसी व निर्माण क्षेत्र के संपादक प्रवीण कुमार जैन ने कहा कि उत्तरप्रदेश प्रकाश भवन की सफलता और तीर्थ संरक्षण में योगदान एक टीम भावना का प्रतिफल है, संगठन में शक्ति होती है यह सम्मेद शिखर विकास समिति के माध्यम से सिद्ध होती हैं।

निर्माण क्षेत्र के प्रधान संपादक श्री सुमित कुमार जैन सासनी के विकास की लंबी यात्रा पर विहंगम प्रकाश डालते हुए इसके उत्तरोत्तर

विकास की कामना की। समिति के अध्यक्ष श्री जवाहरलाल जैन (सिकंदराबाद) ने कहा कि उत्तरप्रदेश प्रकाश भवन में एक मंजिला और बनाई जाएगी इसका नक्शा बन चुका है जल्द ही इस कार्य को पूर्ण कल लिया जावेगा। निर्माण क्षेत्र पत्रिका का विमोचन मुख्य अतिथि प्रदीप जैन, विजय जैन अहमदाबाद, सुमित जैन सासनी, प्रवीणकुमार जैन झांसी, मीनू जैन दिल्ली, प्रवीण जैन लोनी व जीवेन्द्र जैन गाजियाबाद ने किया। भव्य आयोजन में उपस्थित दानवीरो को तिलक लगाकर सम्मान कर प्रतीक चिन्ह भेंट किए गए कार्यक्रम के प्रारंभ में चित्र अनावरण व दीप प्रज्वलन श्री विजय जैन हरदुआगंज ने किया। सभा का संचालन पूर्व अध्यक्ष जीवेन्द्र जैन मेरठ ने किया व प्रगति आख्या के साथ आभार ज्ञापन महामंत्री श्री एम. एस. जैन मेरठ ने किया प्रकाश भवन के प्रबंधक श्री सुजीत व इंद्रदेव आदि ने व्यवस्थाओं को भलीभांति अंजाम दिया।

तीर्थराज सम्मेदशिखर के संरक्षण, संवर्धन एवं तीर्थ के विकास मे हुआ ऐतिहासिक फैसला...

साधना महोदधि, उभय मासोपवासी अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर महाराज ने गुरु पूर्णिमा पर सम्पूर्ण जैन समाज कों दिया विशेष उपहार – अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज जो की सिंहनीस्किड़त व्रत की 557 दिन की अखण्ड मौन व्रत साधना मे शिखर की स्वर्ण भद्र टोंक पर साधनारत है गुरु पूर्णिमा के पवित्र, पावन प्रसंग पर अंतर्मना गुरुदेव के आशीर्वाद व सानिध्य मे जैन समाज के सबसे महानतीर्थ शास्वत तीर्थ शिखरजी के संरक्षण व विकास के लये दिगम्बर और श्वेताम्बर जैन समाज के मध्य ऐतिहासिक समझौता हुआ। श्री दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी और जैन श्वेताम्बर सोसायटी के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों की उपस्थिति मे सभी आवश्यक निर्णय लिए गये । अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के आशीर्वाद व प्रेरणा से दोनों ही कमेटियों ने अपने सभी वैधानिक विवादों को वापस लेने पर सहमति प्रदान कर भविष्य मे प्रेम, मैत्री, सदभाव, समन्वय के साथ तीर्थ के संरक्षण व विकास के लिए कदम से कदम मिलाकर साथ कार्य करने का संकल्प लिया ।

कर्नाटक रत्न, पद्मभूषण व पद्मविभूषण धर्माधिकारी डॉ. वीरेंद्र हेगड़े को राज्यसभा सदस्य मनोनीत किया गया

25 नवम्बर 1948 को जन्में डॉ वीरेंद्र हेगड़े धर्माधिकारी रत्नवर्मा हेगड़े के सबसे बड़े बेटे हैं। वे कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में स्थित श्री धर्मस्थल मंजूनाथ स्वामी मंदिर के अनुवांशिक ट्रस्टी हैं दिगम्बर जैन बीसपंथी आमना के अनुयायी डॉ. वीरेंद्र हेगड़े का परिवार कई हिंदू समुदाय के मंदिरों का भी ट्रस्टी है। डा.वीरेंद्र हेगडे के तीन छोटे भाई व एक बहन हैं पत्नी पद्मावती हेगड़े व उनकी बेटी श्रद्धा, डॉ. हेगड़े के साथ सभी धर्म व समाज के प्रति अपना उत्तरदायित्व भली–भांति निभा रहे हैं। 19 वर्ष की आयु के साथ ही आप समाजसेवी व धार्मिक कार्यों को संलग्न है ।

800 साल प्राचीन इस धर्मस्थल मंदिर में भगवान मंजूनाथेश्वर अर्थात शिव मुख्य देवता है इस मंदिर में वैष्णव धर्म को मानने वाले पंडित द्वारा पूजा की जाती है इसके अलावा इस मंदिर का प्रशासन जैन धर्म के अनुयायियों द्वारा किया जाता है और इन्हें यहां हेगड़े के नाम से जाना जाता है । यह सिर्फ महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल ही नहीं बल्कि क्षेत्र के सामाजिक, आर्थिक परिवर्तन का केंद्र भी है इसका अनुसरण हर सक्षम समाज को करना चाहिए, कर्नाटक स्थित शिव मंदिर कला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है मंदिर के निर्माण के पीछे हेगड़े परिवार के पूर्वजों को मिला देवादेश प्रसंग इसे और अधिक विशेष बनाता है, यह धर्मस्थली 'मंजूनाथ स्वामी मंदिर' जिसे जैन परिवार के वर्तमान पदस्थ धर्माधिकारी डॉ. वीरेंद्र हेगड़े के द्वारा चलाया जा रहा है इन्होंने इस गांव को न केवल समृद्ध शहर के रूप में तैयार किया बल्कि इस क्षेत्र में सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक व प्रशासनिक सुधार के स्त्रोत भी रहे हैं। डा. हेगड़े निम्न कार्यों की वजह से चर्चा में रहें हैं * रोज लाखों लोगों के लिए अन्नदान का आयोजन किया जाता है, लोगों के मुद्दों को सुनने के अलावा मंदिर में धर्माधिकारी मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित लोगों को छात्रवृत्ति, चिकित्सा और पेंशन के रूप में वित्तीय सहायता करते हैं। * सांस्कृतिक मोर्चे पर श्री धर्मस्थल मंजूनाथेश्वर यक्षगान कला केंद्र है जो पारंपरिक स्थानीय नृत्य, गांवों और गुरुकुल के भजन समूह को प्रशिक्षण देता है और युवाओं को पारंपरिक गुरु शिष्य परंपरा में शिक्षा प्रदान की जाती हैं । * समाज में बड़े पैमाने पर विवाह का आयोजन होता है जहां धर्माधिकारी दावत के अलावा दुल्हन के लिए शादी का पूरा खर्चा उठाने के साथ हर जोड़े को आशीर्वाद देते हैं। * जन जगराथी एक व्यसन छोड़ने का कार्यक्रम है जिसमें कई ग्रामीण परिवारों को बर्बाद होने से भी बचाया जाता है * धर्मस्थल मंजूनाथेश्वर धर्मोथाना ट्रस्ट ने 200 से अधिक मंदिरों के संरक्षण करने में मदद की है साथ ही मेडिकल ट्रस्ट के तहत पूरे भारत में अस्पताल हैं जो जरूरतमंदों को चिकित्सा सहायता प्रदान करते हैं। * डॉ. हेगड़े को जैन समुदाय की करीब 600 साल पुरानी परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए जाना जाता है इतना ही नहीं कला और संस्कृति के प्रचार में आपका अहम योगदान रहा है नेचुरोपैथी,

योग और नैतिक शिक्षा के प्रसार के लिए धर्मस्थल से जुड़े 400 हाईस्कूल और प्रायमरी टीचर हर साल इन विषयों में 30000 छात्रों को शिक्षा देते हैं।

* डा.वीरेन्द्र हेगड़े को उनके सेवा कार्यों के लिए वर्ष 2000 में भारत सरकार ने समाज सेवा क्षेत्र में पद्म भूषण एवं वर्ष 2015 में पद्मविभूषण से भी सम्मानित किया है ।

मोक्ष सप्तमी विशेष : क्षमा से मोक्ष तक

श्रावण शुक्ल सप्तमी का दिन 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक को मुकुट सप्तमी के रूप में मनाते हैं। भगवान के मोक्ष कल्याणक पर जैन समाज की बेटियां एवं बहुएं व्रत रखती हैं। भगवान पार्श्वनाथ का जीवन उत्कृष्ट क्षमा का उदाहरण है। केवल क्षमा को धारण करने से संसारी जीव मुक्त हो सकता है। यह सीख भगवान पार्श्वनाथ से सीखी जा सकती है।

भगवान पार्श्वनाथ के पूर्व के दस भवों का अध्ययन करके पता चलता है कि भगवान पारसनाथ ने अपने 10 भव पहले से परिणामों में निर्मलता लाना शुरू कर दी थी। दस भव पूर्व कमठ और मरुभूति(पार्श्वनाथ भगवान का जीव) भाई भाई थे। कमठ ने उनसे वैर भाव बांधा और अगले दस भव तक पार्श्वनाथ के जीव को परेशान किया, उनके प्राणों का घात किया। और अंत में जब पार्श्वनाथ भगवान तपस्या कर रहे थे तब कमठ ने संभर नमक देव बनकर उन पर ओले पत्थर आदि की वर्षा करके उपसर्ग किया। पार्श्वनाथ भगवान का जीव हर भव में क्षमा धारण करता रहा। और अंत में केवल ज्ञान प्राप्त कर मोक्ष प्राप्त किया।

आज वर्तमान समय में हम सभी को पार्श्वनाथ भगवान की तरह क्षमा गुण को धारण करना चाहिए क्योंकि हम सभी को अपने परिवार, समाज, दोस्त जो भी संबंध मिलते हैं, पूर्व जन्म के कर्मों के फ़ल के अनुसार मिलते हैं ,उन्ही के साथ हमें रहना होता है। एक दूसरे के साथ हमारे अच्छे बुरे संबंध भी हमारे पूर्व जन्मों के संचित कर्मों के अनुसार ही होते हैं। प्रतिकूलता में हम सभी अपने परिणाम बिगड़ते हैं।परंतु भगवान पार्श्वनाथ के समान हमें अपने परिणामों में समता धारण कर दूसरो के लिए क्षमा भाव धारण करना चाहिए। अतः हम सभी को पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक मुकुट सप्तमी व्रत या पर्व पर यह संकल्प लेना चाहिए कि जो कुछ भी हमें मिला है हम उसी में साम्य भाव रखेंगे। सभी से क्षमा भाव रखेंगे और पार्श्वनाथ भगवान की तरह मोक्ष प्राप्त करेंगे। – इंद्रा जैन, ललितपुर

गोलालारीय समाज विदिशा की आवश्यक बैठक संपन्न..

डॉ. राहुल जैन, विदिशा । गोलालारीय जैन समाज की आवश्यक बैठक 24 जुलाई रविवार को आयोजित की गई । इस बैठक में समाज के वरिष्ठजनों व नवनिर्वाचित पार्षद श्री संजय दिवार्कीती का सम्मान किया गया। समाज के एकमात्र सार्वजनिक जैन भवन के जीर्णोद्धार पश्चात उसकी उपयोगिता व भवन में आयोजित किए जाने वाले कार्यों पर आवश्यक चर्चा भी की गई । चर्चा पश्चात समाज हित में जैन भवन के अधिक से अधिक उपयोग करने का निर्णय लिया गया। इस बैठक में समाज के प्रत्येक परिवार से परिवार मुखिया को सादर आमंत्रित किया गया था ।

विश्व योग दिवस के उपलक्ष में 1000 नागरिकों को योग का प्रशिक्षण दिया

भारत सरकार एवं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर डॉ. राहुल जैन (सचिव, गोलालारीय जैन समाज,विदिशा) ने **Yoga for Humanity** (मानवता के लिए योग) विश्व योग दिवस (21 जून) का प्रचार योग के माध्यम से समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाने हेतु विदिशा के अनेक स्थानों पर जिसमें वृद्धाश्रम में वरिष्ठ आयु के नागरिकों को उनकी आयु एवं शरीर की अवस्था (**Yoga for Senior citizens**) के अनुसार उनके स्वाथ्य लाभ हेतु भजनमय योग एवं ध्यान, वरिष्ठ पुलिसकर्मियों, प्रतियोगी परीक्षाओं के छात्रों, गरीब बस्तियों, शहर के नामी स्कूल, चिकित्सकों को सूक्ष्म व्यायाम, प्राणायाम एवं मेडिटेशन करवाया । सभी आयु वर्ग के लोगों ने पूरे उत्साह से योग एवं मेडिटेशन कार्यक्रम का लाभ लिया। अनेक मीडिया एवं समाचार पत्रों ने उनके इस सामाजिक स्वास्थ्य चेतना में योगदान का प्रमुखता से उल्लेख किया।

हार्दिक बधाईयाँ

श्री नीरज मानोरिया अशोकनगर के नगरपालिका अध्यक्ष बने

अशोकनगर मप्र की नगरपालिका ने एक नया इतिहास रच दिया है। भारतीय जनता पार्टी के नव निर्वाचित पार्षद **श्री नीरज जैन मानोरिया** को अशोकनगर नगरपालिका का निर्विरोध अध्यक्ष घोषित किया गया है। आप भारतीय जनता पार्टी से अशोकनगर नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 19 में 817 मतों से विजय हुए आप भारतीय जनता पार्टी एवं राष्ट्रीय संघ सेवक से काफी लंबे से जुड़े हुए हैं। भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय स्वयंसेवक के लिए विभिन्न आयोजनों में आप संभाग का प्रतिनिधित्व करते रहे हैं।

आप विनम्र छवि, कर्मठ कार्यकर्ता, समर्पित व्यक्तित्व नीरज मानोरिया एक सच्चे जमीनी कार्यकर्ता हैं। सभी को मुस्कुराकर, साथ लेकर चलने की कला उनमें विद्यमान है। नगर व संभाग में संगठन के विभिन्न पदों पर कार्य कर चुके हैं । यह नीरज जैन के व्यक्तित्व का ही प्रभाव है कि उन्होंने ने सभी दलों के पार्षदों को नगर हित की कल्याणकारी योजनाओं पर साथ लेकर चलने के भाव से प्रेरित किया और उसी का चमत्कार है कि विपक्ष का कोई भी उम्मीदवार उनके सामने खड़ा नहीं हुआ । ऐसे शानदार व्यक्तित्व श्री नीरज मानोरिया को कोटिशः बधाइयाँ।

श्री संजयकुमार दिवाकीर्ति विदिशा नगर परिषद के उपाध्यक्ष नियुक्त हुए

* **श्री संजय कुमार प्रेमचंद दिवाकीर्ति** ने विदिशा नगर पालिका परिषद में भारतीय जनता पार्टी की ओर से पार्षद पद हेतु विजय प्राप्त की हैं। आप दैनिक भास्कर समाचार पत्र में विदिशा अनाज मंडी का प्रतिनिधित्व करते हैं । वर्ष 1995 से अभी तक अनाज तिलहन व्यापार संघ के अनेक पदों पर सुशोभित रहते हुए वर्ष 1996 से 1998 तक विदिशा व्यापार संघ के उपाध्यक्ष रहें । वर्तमान में आप विदिशा समग्र जैन समाज के उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त हैं। आपकी संगठन के प्रति समर्पण के भाव को देखते हुए नवनिर्वाचित पार्षदों ने नगरपालिका परिषद में उपाध्यक्ष पद हेतु निर्वाचित किया ।

श्रीमती कीर्ति प्रबल जैन गुन्नौर की पार्षद बनी

श्रीमती कीर्ति प्रबल जैन गुन्नौर नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 10 से से निर्दलीय प्रतिनिधि के रूप में 27 वोटों से विजय रही । आप गुन्नौर क्षेत्र में सामाजिक व धार्मिक कार्यों में अपनी अहम भूमिका निभाते हुए आमजनों में लोकप्रिय रही है। आप जन समस्यों का निराकरण कर विशेष ख्याति अर्जित की है । जिसके कारण आप अपने वार्ड में निर्दलीय प्रत्याशी के रुप में चुनाव में जीत अर्जित की है ।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक बधाईयाँ...

तनवी जैन, इन्दौर
निधि हेमंत जैन
CBSE Bio
76.60%

आगम जैन, मऊरानीपुर
संचिता अजित जैन
CBSE Maths
88.4%

दिव्यांशी जैन, कुरवई
सपना संजय जैन
CBSE Commerce
86.4%

स्नेहा जैन, इन्दौर
प्रिया नितिनकुमार जैन
CBSE
89.6%

सम्यक जैन, विदिशा
समता सुरेन्द्र जैन
Board
87.6%

प्रेक्षा जैन, इन्दौर
रक्षा प्रवीण जैन
CBSE
92.4%

सिद्धि जैन, ललितपुर
सीमा अनिल जैन
ICSE
94%

रिद्धि जैन, ललितपुर
सीमा अनिल जैन
ICSE
88.2%

माही जैन, देवेन्द्रनगर
सुनीता प्रदीपकुमार जैन
CBSE
93.2%

युग जैन, इन्दौर
समिता पंकज जैन
CBSE
77.27%

भव्य जैन, इन्दौर
सीमा मनीष जैन
CBSE
92.4%

तीर्थ जैन, अहमदाबाद
सुजाता सुधीर जैन
Board
77.83%

अनुष्का जैन, खरगोन
डॉ. कीर्ति अनुराग जैन
BBA
8.9 CGPA

आकाश जैन, इन्दौर
स्व. रजनी राकेश जैन
MBA
7.15 CGPA

अवनी जैन, पृथ्वीपुर
पूनम अमितकुमार जैन
9th
88.60%

अवधि जैन, इन्दौर
सीमा नवीन जैन
8th
96.05%

दीर्घा जैन, इन्दौर
हेमा सचिन जैन
8th
84%

हर्षिल जैन, इन्दौर
तारिका पियूष जैन
7th
89.57%

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

जन्म दिनांक
01.01.1938

देवलोकगमन
20.07.2022

श्रीमती सुशीला जैन

पूज्यनीय माँ को प्रणाम

त्याग है, तपस्या है, सेवा है माँ
जीवन की हर कठिन राहो में, अमृत का प्याला है माँ

:: श्रद्धानवत::

पुत्र व पुत्रवधु - विजय-विमला, अशोक-ज्योति
अभय-संगीता, सुरेश-अभिलाषा जैन
पुत्री व दामाद - श्रीमती पुष्पा -स्व. प्रकाशचंद जैन
पौत्र-पौत्रवधु - आशीष-प्रीति, अमित-शिखा
आलोक-कीर्ति
पौत्र - सौरभ, सुदीप
पौत्री-दामाद - रीना-संजय, सपना-सुनील, अर्चना-सुमित
अंशुल-अंकित, शीतल-ऋषभ, काजल-शिवम
परपौत्र-परपौत्री - गर्वित, रक्षित, विदित, निष्ठा
पड़पौत्र - मोक्ष, ग्रंथ, धनीष

प्रतिष्ठान - जैन रेस्टॉरेंट, जैन श्री अपना भोजनालय, जैन कम्प्यूटर केयर, मे. सौरभ पेपर एजेंसी, वर्धमान पॉली क्लिनिक

''प्रयास'' एक प्रयास जो हम सबको मिलकर करना है

रिश्तों को जोड़ने का

''प्रयास रिश्तो को जोड़ने का..'' की पत्रिका के लिए प्रविष्टि भरने का कार्य प्रारंभ हो चुका हैं, इस आयोजन में हम समग्र जैन समाज के विवाह योग्य प्रत्याशियों का बायोडाटा प्राप्त करने का प्रयास हर स्तर पर कर रहे हैं। हमारा आप सभी समाजजनों से विनम्र निवेदन है कि वह अपने नगर में इस पत्रिका के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हुए अपने नगर के विवाह योग्य प्रत्याशियों को इस पत्रिका की जानकारी देकर प्रविष्टि फार्म को भरने के लिए प्रेरित करें। आपका यह छोटा सा मार्गदर्शन उन परिवारों के लिए रिश्तों को ढूंढने में उन्हें एक राह दिखा सकता हैं, आज के बदलते दौर में हर परिवार अपने बच्चों के लिए अच्छा संबंध चाहता है और हम इस माध्यम में एक छोटी सी कड़ी बनकर इस समस्या का निराकरण आपके सहयोग से करना चाहते हैं। आप इस पत्रिका के महत्वपूर्ण घटक बनकर अपने परिचितों, रिश्तेदारों व समाजजनों को प्रविष्टि फार्म भरने के लिए प्रेरित करें। पत्रिका की प्रविष्टि राशि न्यूनतम निर्धारित की गई है। * पत्रिका सहित प्रविष्टि - रु. 500/- * और बिना पत्रिका के प्रविष्टि 300/-

हम समाज के प्रत्येक परिवार में इस संदेश को आपके द्वारा पहुंचाना चाहते हैं व चाहते हैं कि जिन परिवारों में विवाह योग्य बच्चे हैं वे इस फॉर्म को अवश्य भरें।

।। सादर श्रद्धांजली ।।

* **श्रीमती सुधा बंसतकुमार जैन** का देवलोकगमन 14 जुलाई को डिण्डोरी में हो गया है।

* स्व. श्री दयाचंद जैन की धर्मपत्नी श्री विजय जैन, अशोक जैन, अभय जैन व सुरेश जैन की माताजी व श्री आशीष, अमित, आलोक, सौरव व सुदीप की दादी जी एवं गर्वित, रक्षित व विदित की परदादी **श्रीमती सुशीला जैन** का देवलोकगमन 20 जुलाई को इंदौर में हो गया है आप धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी आप की स्मृति में आपके परिजनों ने गोलालारीय समाज न्यास निर्माणाधीन मंदिर हेतु 21000 रु. एवं गोलालारीय दर्शन को 2100 रु.की धनराशि भेंट की है।

* श्री प्रकाशचंद जैन की धर्मपत्नी संदीप और सौरभ जैन की माताजी **श्रीमती शीला जैन** का देवलोकगमन 29 जुलाई को भोपाल में हो गया है

* स्वर्गीय श्री खेमचंद जी के द्वितीय पुत्र, कमलेश जैन के छोटे भाई, दीपक व प्रदीप जैन के बड़े भाई **श्री करकेश जैन (बीएसएनएल)** का देवलोकगमन 1 अगस्त को सम्मेद शिखरजी में वंदना करते हुए हो गया। आप मिलनसार व हंसमुख व्यक्तित्व के धनी थे।

गोलालारीय दर्शन परिवार अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

नोट - शोक संदेशों का प्रकाशन जानकारी देने पर निशुल्क किया जाता है।

ललितपुर में मुनि पुंगव सुधासागर जी की अभूतपूर्व, ऐतिहासिक अगवानी की साक्षी बनी हजारों-हजार अखियां

सुनील जैन 'संचय', ललितपुर। गुरूवार को परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य निर्यापक मुनि,मुनिपुंगव 108 श्री सुधासागर जी महाराज,नगर गौरव मुनि 108 श्री पूज्यसागर जी महाराज, ऐलक श्री धैर्यसागर जी महाराज, छुल्लक श्री गम्भीरसागर जी महाराज की ललितपुर नगर में भव्य अगवानी में जैन –अजैन पूरे ललितपुर शहर के श्रद्धालुओं से डेम तिराहे से क्षेत्रपाल मंदिर तक अपार जनसमूह एवं धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाऐं गाजे- बाजों के साथ धर्म प्रभावना करती नजर आ रही थी। प्रातः उनका पद विहार गौशाला परिसर से हुआ। क्षेत्रपाल मंदिर जी में पहुंच कर जुलूस धर्म सभा में परिवर्तित हो गया एवं पूज्य मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज की दिव्य देशना का श्रवण कर सभी ने पुण्यार्जन किया।

नगर में जगह जगह रंगोली, तोरणद्वार, मंगल कलश, बैनर-फ्लेक्स, ढोल-नगाड़ों की गड़गड़ाहट, रमतूला-दिलदिल घोड़ी के साथ मनमोहक नृत्य, ललितपुर के प्रसिद्ध तैय्युव खान की आवाज में भक्ति गीत, वीर व्यायाम शाला, वीर सेवा संघ, बाहुबली नगर के दिव्यघोष भीड़ को उत्साहित कर रहे थे । आदिनाथ सेवा संघ बाहुबली नगर द्वारा की गई नगर सज्जा, जेसीबी मशीनों पर से की गई रत्नवर्षा, पालकी पर बैठी इन्द्राणियों द्वारा पुष्प वर्षा एवं रेम्प पर मुनिसंघ की मंगल आरती अगवानी के मुख्य आकर्षण रहें।

स्वयंसेवी संस्थाओं-महिलावर्ग की समितियों, सुधासागर इंटर कालेज की छात्राओं-शिक्षिकाओं, महावीर बाल विद्या मंदिर के छात्र-छात्राओं द्वारा अगवानी भव्य रुप से की गयी । जैनेतर समुदाय के अनेक संगठनों ने भी बढ़ चढ़कर भाग लिया। रास्ते में अनेक स्थानों से पुष्प वर्षा की गई।

10 वर्षो के पश्चात पधारे मुनिश्री ससंघ के दर्शन पाकर जनपद एवं दूर नगरों से पधारे श्रद्धालुओं के चहरों पर अद्भुत चमक दिखाई दे रही थी, अत्यधिक तेज गर्मी (धूप) और तपन के बाबजूद भीड़ मुनिश्री के साथ जनसैलाब जय गुरुदेव के गगनभेदी नारों के साथ उत्साह से बढ़ती ही जा रही थी। अब गुरुदेव का प्रवास पूरे चातुर्मास की समय अवधि के लिये ललितपुर में होगा, पूज्य गुरुदेव के श्रीमुख से नित प्रतिदिन सुबह, मंगल प्रवचन एवं शाम को जिज्ञासा समाधान का कार्यक्रम सम्पन्न होगा जिसे जिनवाणी अन्य चैनलों के माध्यम से विश्व के 122 देशों में देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ ।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री प्रदीप जैन आदित्य ने सपरिवार मुनिश्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। संचालन जैन पंचायत के अध्यक्ष अनिल जैन अंचल ने किया।

क्षेत्रपाल जैन मंदिर में आयोजित धर्मसभा में मुनि श्री सुधा सागर जी ने कहा कि धर्म साथ में चला जाता है,संस्कृति हमेशा जीवंत रहती है । भगवान आदिनाथ, महावीर के साथ उनका धर्म चला गया, लेकिन उनकी संस्कृति आज भी जीवंत है। आपके साथ भी धर्म चला जायेगा लेकिन आपकी संस्कृति जीवित रहेगी। क्षेत्रपाल मंदिर में भव्य मंदिर, कीर्ति स्तम्भ के निर्माण के दौरान ललितपुर जैन समाज ने संस्कृति को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। 800 वर्ष में पहली बार ऐसा हुआ कि कोई इतना बड़ा कीर्ति स्तम्भ बनकर तैयार हुआ है। मंदिर के बाहर सबसे पहले मुझे कीर्ति स्तम्भ के दर्शन हुए , अब निश्चित है कि यह चातुर्मास कीर्तिमान स्थापित करेगा। ललितपुर की समाज में नई उमंग और उत्साह देखकर अत्यधिक प्रसन्नता हुई। चार महीने यहाँ धर्म गंगा प्रवाहित होगी। उन्होंने कहा कि 16 जुलाई को चातुर्मास कलश स्थापना में नगर के प्रत्येक व्यक्ति को एक कलश स्थापित करना है और दीपावली पर प्रत्येक घर-घर में यह कलश पहुँचना चाहिए। मैं सभी के घर तो नहीं पहुँच पाऊँगा लेकिन कलश के माध्यम से प्रत्येक घर में मेरा आशीर्वाद पहुँचेगा। भक्तों का भारी उत्साह देखते हुए मुझे तो लग रहा था कि मैं क्षेत्रपाल मंदिर पहुंच ही नहीं पाऊंगा, लेकिन पुलिस प्रशासन की जागरूकता से मैं यहाँ तक पहुँच पाया हूँ।

ललितपुर के लोग से संस्कृति को आगे बढ़ाने में सदैव अग्रणी रहते हैं। क्षेत्रपाल मंदिर इसी का परिणाम है। मुनिश्री की नगर अगवानी के दौरान बुलडोजर आकर्षण का केन्द्र रहा । श्रद्धालुओं ने रास्ते के किनारे बुलडोजर लगाकर उनमें बैठकर पुष्प वर्षा की। क्रेन से भी श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा की। मुनिश्री एक झलक पाने के लिए जहाँ लोग अपने छतों एवं छतों की गैलरी में खड़े दिखाई दिए वहीं नगर की हृदय स्थली घंटाघर पर चढ़ गए।

श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास की साधारण सभा 21 अगस्त रविवार को

बाहुबली जैन, इन्दौर । गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज इन्दौर की 20 वीं साधारण सभा न्यास भवन 64 न्यू देवास रोड पर 21 अगस्त 2022, रविवार को दोपहर 1 बजे आयोजित की गई हैं।

साधारण सभा में गोलालारीय समाज न्यास से जुड़े हुए सभी विषयों पर विस्तृत चर्चा कर उचित निर्णय लिए जावेंगे । गोलालारीय समाज न्यास वर्ष 2002 में गठित किया गया था न्यास के अंतर्गत गोलालारीय समाज, इन्दौर की सभी गतिविधियां विगत 20 वर्षों से सुचारू रूप से संचालित की जा रही हैं इन 20 वर्षों में गोलालारीय समाज इन्दौर ने बहुत प्रगति की हैं प्रतिवर्ष क्षमावाणी आयोजन करना, आयोजन में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान करना, समाज के लिए बहुउद्देशीय उपयोग के लिए भूमि क्रय करना, न्यू देवास रोड मंदिर का जीर्णोद्धार करना, कुमेड़ी स्थित लार्ड आदिनाथ कालोनी में नवीन मंदिर का निर्माण करना व शिक्षा व स्वास्थ्य के लिए मदद करना आदि कार्य इस न्यास की उल्लेखनीय पहल हैं कुमेड़ी स्थित लॉर्ड आदिनाथ कॉलोनी में स्थित आदिनाथ जिनालय का पंचकल्याणक 2022-23 में आयोजित किया जाना प्रस्तावित है जिसके लिए समाज कार्यकारिणी सतत प्रयासरत हैं।

20 वीं साधारण सभा में कार्यकारिणी द्वारा निर्धारित किए गए विषयों पर विस्तृत चर्चा की जानी है जिसमें गत वर्ष की आय-व्यय पत्रक पर चर्चा, आगामी वर्षो के लिए बजट का निर्धारण करना, न्यू देवास रोड व कुमेड़ी स्थित मंदिर की व्यवस्था और संचालन की कार्ययोजना पर चर्चा, पंचकल्याणक महोत्सव पर इंदौर समग्र जैन समाज के साथ साथ देश भर के गोलालारीय परिवारों को भी आमंत्रित करना हैं, **"प्रयास रिश्तों को जोड़ने का..."** पत्रिका के बारे में विस्तृत चर्चा करना, समाज की एकमात्र पत्रिका **"गोलालारीय दर्शन"** की प्रगति से अवगत कराने के साथ ट्रस्ट में दान देने पर 80-जी के अन्तर्गत आयकर में छूट मिलने की पात्रता न्यास को इस वर्ष प्राप्त हो गई है जिस पर चर्चा करना।

इन्दौर समाज के सदस्यों से विनम्र निवेदन है कि वे साधारण सभा में उपस्थित होकर समाज की प्रगति में अपने विचार रख सहभागी बने।

आगामी अंक – तप साधना करने वाले सदस्यों को सादर समर्पित

सदस्य गोलालारीय परिवार का होना अति आवश्यक हैं। सदस्य को अपनी प्रविष्टी भेजते समय परिवार मुखिया का नाम, नगर का नाम व मोबाईल नम्बर देना अनिवार्य है । निर्धारित जानकारी के अभाव में प्रविष्टि स्वीकार योग्य नहीं होगी । गोलालारीय समाज का आगामी अंक अक्टूबर 2022 को प्रकाशित किया जावेगा जिसमें प्रयूर्षण पर्व में आपके नगर में आयोजित कार्यक्रमों की सचित्र जानकारी प्रकाशित किया जाना है साथ ही 5 व उससे अधिक तप साधना करने वाले सदस्यों का सचित्र जानकारी प्रकाशित की जावेगी ।

तप साधना करने वालों के लिए अति आवश्यक नियमावली इस प्रकार से हैं –

* 5 या उससे अधिक निर्जल तपसाधक अपना विवरण अनिवार्य रुप से लिखे । * साधक के 5 या उससे अधिक उपवास निरंतर होना जरूरी हैं इस श्रेणी में सिर्फ एक समय जल या अन्य कोई एक पेय प्रदार्थ ही ग्रहण किया हो । * एक दिन छोड़कर एक दिन उपवास इस श्रेणी में नहीं आवेगा ।

* आप अपने आप को साक्षी मानकर प्रविष्टि भेजें और यह सुनिश्चित कर लेवें कि आपके द्वारा भेजी गई सभी जानकारी सही है । आपके द्वारा भेजी गयी जानकारी के आधार पर हम प्रकाशन करते है । अतः हमारा सभी साथियों से करबद्ध निवेदन है कि वे नियम पालन करते हुए अपनी प्रविष्टि प्रेषित करें। **प्रविष्टि आप वाट्सएप्प नंबर 9407453066 पर अनिवार्य रुप से भेजें। यह नंबर चर्चा के लिए उपलब्ध नहीं है।**

नाम _____

पिता/पति का नाम _____

परिवार मुखिया का नाम _____

शहर का नाम _____

मोबाइल नंबर _____

उपवास की संख्या _____

उपवास का विवरण _____

तपसाधक का नवीन फोटो लगावें

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है, संपादक मंडल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है । किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा ।
स्वामी श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के लिए प्रकाशक, मुद्रक बाहुबली जैन द्वारा प्रकाशित प्रतीक्षा ग्राफिक्स 127, देवी अहिल्या मार्ग इन्दौ से मुद्रित एवं ग्राफिक्स ज़ील कम्प्यूटर एंड ग्राफिक्स 356, तिलक नगर श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित ।